सत्र 2024-25

वार्षिक पाठ्यक्रम

कक्षा –XI

विषय: भूगोल (कोड: 029)

पाठ्यक्रम सामग्री

भाग (क):	पुस्तक -1 भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत
इकाई 1	भूगोल एक विषय के रूप में अध्याय **1 -** भूगोल एक विषय के रूप में,
इकाई 2	पृथ्वी अध्याय **2 -** पृथ्वी की उत्पत्ति एंव विकास अध्याय **3-** पृथ्वी की आंतरिक संरचना अध्याय **4-** महासागरों और महाद्वीपों का वितरण
इकाई 3	भू-आकृतियाँ अध्याय **5-** भू-आकृतिक प्रक्रियाएँ अध्याय **6-** भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास
इकाई 4	जलवायु अध्याय **7-** वायुमंडल का संघटन तथा संरचना
मानचित्र कार्य (केवल मध्यावधि परीक्षा)	**विश्व के राजनैतिक रेखा मानचित्र पर पहचानने और उनको नामांकित करने के लिये मदें।** **भौतिक भूगोल के मूल सिध्दांत** **अध्याय 4 महासागरों और महाद्वीपों का वितरण** ● संसार के सभी महाद्वीपों का मानचित्र ● संसार के प्रमुख महासागर :- हिन्द महासागर, प्रशांत महासागर ,अटलांटिक महासागर ,आर्कटिक महासागर , दक्षिणी महासागर । ● प्रमुख प्लेटें, लघु प्लेटें, रिंग आफ फायर (प्रशांत महासागर) , मध्य अटलांटिक रिज(कटक)

भाग – ख	पुस्तक 2- भारत: भौतिक पर्यावरण
इकाई -1	परिचय अध्याय 1- भारत: स्थिति
इकाइ -2	भूआकृति विज्ञान अध्याय 2- संरचना तथा भू-आकृति विज्ञान अध्याय 3- अपवाह तंत्र
मानचित्र कार्य (केवल मध्यावधि परीक्षा))	भारत के राजनीतिक रेखा मानचित्र पर पहचानने और नामांकित करने के लिए सी बी एस ई द्वारा 2023-24 के लिए निर्धारित मानचित्र मदें। भारत – भौतिक पर्यावरण अध्याय 1 - भारत- स्थिति - भारत का अक्षांशीय विस्तार - भारत का देशांतरीय विस्तार - भारत की मानक मध्याह्न रेखा - भारत से गुजरने वाला महत्वपूर्ण अक्षांश (कर्क रेखा) – भारत की मुख्य भूमि का दक्षिणी सबसे बिंदु (कन्या कुमारी) **संरचना और भू-आकृति विज्ञान** • प्रमुख पर्वत ;- **कराकोरम पर्वत, गारो खासी जयंतियाँ पहाडियाँ, अरावली पर्वत,विंध्याचल पर्वत ,सतपुडा पर्वत ,पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट** • प्रमुख पर्वत चोटियाँ ;- **के 2, कंचनजंगा, नंदादेवी, नंगापर्वत, नामचा बरवा और अनाईमुडी** • प्रमुख दर्रे:- **शिपकीला ,नाथु, कोंकण, उत्तर और दक्षिण कन्नड , मालाबार तट , कोरोमंडल तट और उत्तरी सरकार तट ला, पालघाट , भौर घाट और थल घाट** • प्रमुख पठार:- **मालवा पठार,छोटा नागपुर , मेघालय और दकन का पठार** • तटीय मैदान ; **सौराष्ट्र , कोंकण, उत्तरी और दक्षिणी कन्नड मालाबार तट कोरोमंडल तट और उत्तरी सरकार तट** • दवीप समूह :- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्ष्य द्वीप समूह** अध्याय -3 अपवाह तंत्र नदियाँ: ब्रह्मपुत्र, सिंधु, सतलुज, गंगा, यमुना, चंबल, दामोदर महानदी, कृष्णा, कावेरी, गोदावरी, नर्मदा, तासी और लूनी झीलें: (पहचान के लिये) वुलर, सांभर, चिल्का, कोलेरू, पुलिकट और वेम्बनाड जलडमरूमध्य, खाड़ी: पाक जलडमरूमध्य, कच्छ की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी और खंबात की खाड़ी
भाग – ग	**भूगोल भाग-1 में प्रायोगत्मक कार्य** **अध्याय 1 मानचित्र परिचय**

	अध्याय 2 मानचित्र मापनी **अध्याय 3 अक्षांश देशांतर और समय** **आंतरिक मूल्यांकन/भूगोल प्रायोगिक के लिए दिशानिर्देश** 1 छात्रों द्वारा एक प्रायोगिक फाइल तैयार की जानी चाहिए। जिसमें प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित सभी अध्यायों का समावेश हो। 2 प्रयोगात्मक फाइल कवर पेज,इन्डेक्स पेज, आभार पत्र के साथ पूर्णत: हस्तलिखित होनी चाहिए। 3 सभी प्रयोगात्मक कार्य को उपयुक्त शीर्षक स्केल , इंडेक्स आदि के साथ साफ सुथरा बनाना चाहिए । आंकडे एन सी इ आर टी की पाठ्य पुस्तक से लिया जा सकता है। 4 प्रयोगात्मक फाइल का मूल्यांकन आवधिक और वार्षिक प्रयोगात्मक परीक्षा के समय किया जाएगा 5 प्रैक्टिकल परीक्षा 25 अंक की होगी जो निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर आयोजित की जाएगी । 6 मौखिक(वाइवा) परीक्षा केवल निर्धारित प्रायोगिक पाठ्यक्रम के आधार पर ही किया जाएगा। **7** लिखित परीक्षा - **25** अंक **8** प्रैक्टिकल फाइल - **02** अंक **9** मौखिक परीक्षा - **03** अंक

नोट : मध्यावधि पाठ्यक्रम 13 सितम्बर 2024 तक पूर्ण किया जाना चाहिए ।

मध्यावधि परीक्षा पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति एवं तैयारी

मध्यावधि परीक्षा- 2024

मध्यावधि परीक्षा के प्रश्न पत्र पर चर्चा

भाग A:	**पुस्तक -1 भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत**
इकाई 4	जलवायु अध्याय **8-** सौर विकिरण, ऊष्मा संतुलन एंव तापमान अध्याय **9-** वायुमंडलीय परिसंचरण तथा मौसम प्रणालियां अध्याय **10-** वायुमंडल में जल अध्याय **11-** विश्व की जलवायु और जलवायु परिवरर्तन **(इस अध्याय का मूल्यांकन परियोजना और प्रस्तुतीकरण के माध्यम से आंतरिक मूल्यांकन मे किया जाएगा)**

इकाई 5	जल (महासागर) अध्याय 12 – जल (महासागर) अध्याय 13- महासागरीय जल का संचलन
इकाई 6	पृथ्वी पर जीवन अध्याय **14 -** जैव विविधता एंव संरक्षण **(इस अध्याय का मूल्यांकन परियोजना और प्रस्तुतीकरण के माध्यम से आंतरिक मूल्यांकन मे किया जाएगा)**
मानचित्र कार्य (वार्षिक परीक्षा)	संसार के भौतिक/राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र पर अध्याय **4, 9, 12, 13** और **14** मे निर्धारित मदों की पहचान पर आधारित मानचित्र कार्य। मानचित्र मदों की सूची सीबीएसई द्वारा प्रदान की गई है। इसके लिए सीबीएसई **2024 25** द्वारा जारी पाठ्यक्रम देखें । **भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत:** **विश्व के राजनैतिक रेखामानचित्र पर पहचानने और नामांकित करने के लिए निर्धारित मानचित्र** **अध्याय 4- महासागरों और महाद्वीपों का वितरण।** ● संसार के सभी महाद्वीपों का राजनीतिक मानचित्र। ● दुनिया के प्रमुख महासागर: हिंद महासागर, प्रशांत महासागर, अटलांटिक महासागर, आर्कटिक महासागर, दक्षिणी महासागर ● प्रमुख प्लेटें और लघु प्लेटें, रिंग ऑफ फायर (प्रशांत महासागर), मध्य-अटलांटिक रिज। **अध्याय 9 - वायुमंडलीय परिसंचरण और मौसम प्रणाली** **दुनिया के प्रमुख गर्म रेगिस्तान:** ● मोजावे मरूस्थल - नेवादा, सयुंक्त राज्य अमेरिका ● पेटागोनियन मरूस्थल - अर्जेंटीना ● सहारा – अफ्रीका ● गोबी मरूस्थल - मंगोलिया, एशिया ● थार मरूस्थल - भारत ● ग्रेट विक्टोरिया मरूस्थल - ऑस्ट्रेलिया **अध्याय** 12- **जल (महासागर)** प्रमुख सागर : ● काला सागर ● बाल्टिक सागर ● कैस्पियन सागर , ● भूमध्य सागर ● उत्तरी सागर

	• लाल सागर • फंडी की खाड़ी (कनाडा) - दुनिया में उच्चतम ज्वार के लिए प्रसिद्ध **अध्याय** 13- **महासागरीय जल का संचरण** **महासागर धाराएँ-** ठंडी धाराएँ : • हम्बोल्ट जलधारा • कैलिफोर्निया जलधारा • फाक्लौंड जलधारा • कनारी जलधारा • पश्चिम ऑस्ट्रेलियाई जलधारा गर्म धाराएँ : अलास्का जलधारा अगुल्हास जलधारा क्युरोशियो जलधारा गल्फ स्ट्रीम जलधारा अध्याय 14 - जैव विविधता और संरक्षण **पारिस्थितिक हॉटस्पॉट** : पूर्वी हिमालय - भारत
भाग B	**भारत: भौतिक पर्यावरण**
इकाई 3	जलवायु, वनस्पति एंव मृदा अध्याय 4- जलवायु अध्याय 5- प्राकृतिक वनस्पति
इकाई 4	**प्राकृतिक संकट तथा आपदाएं: कारण, परिणाम और प्रबंधन** अध्याय **6-** प्राकृतिक संकट तथा आपदाएं **(इस अध्याय का मूल्यांकन परियोजना और प्रस्तुतीकरण के माध्यम से आंतरिक मूल्यांकन मे किया जाएगा)**
मानचित्र कार्य (वार्षिक परीक्षा)	विश्व के राजनैतिक रेखा मानचित्र पर पहचानने और उनको नामाकित करने के लिए मानचित्र मदें । भारत- भौतिक पर्यावरण अध्याय 1 - भारत- स्थिति • भारत की अक्षांशीय सीमा • भारत की देशांतरीय सीमा

- भारत की मानक मध्याह्न रेखा
- भारत से गुजरने वाला महत्वपूर्ण अक्षांश (कर्क रेखा)
- भारत की मुख्य भूमि का दक्षिणी सबसे बिंदु (कन्या कुमारी)

अध्याय 2- संरचना और भूआकृति

- पर्वत: काराकोरम पर्वत , गारो-खासी-जयंतिया पहाडियाँ , अरावली पर्वत , विंध्यचल पर्वत , सतपुड़ा पर् पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट
- प्रमुख चोटियाँ: K2, कंचनजंगा, नंदादेवी, नंगा पर्वत, नामचा बरवा और अनाइमुदी
- प्रमुख दर्रे : शिपकिला, नाथुला, पालघाट, भोर घाट और थल घाट –
- प्रमुख पठार:- मालवा, छोटनागपुर, मेघालय और दक्कन पठार।
- प्रमुख तटीय मैदान: सौराष्ट्र, कोंकण, उत्तर और दक्षिण कन्नड़, मालाबार, कोरोमंडल और उत्तरी सरकार
- द्वीप समूह: अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप द्वीप समूह

अध्याय -3 अपवाह तंत्र

- प्रमुख नदियाँ : ब्रह्मपुत्र, सिंधु, सतलुज, गंगा, यमुना, चंबल, दामोदर महानदी, कृष्णा, कावेरी, गोदावरी, नर्मदा, तापी और लूनी
- प्रमुख झीलें: (पहचान के लिये) वुलर, सांभर, चिल्का, कोलेरू, पुलिकट और वेम्बनाड
- जलडमरूमध्य, खाड़ी: पाक जलडमरूमध्य, कच्छ की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी और खंबात की खाड़ी

अध्याय 4- जलवायु :

- भारत में उच्चतम तापमान वाला क्षेत्र , भारत में सबसे कम तापमान वाला क्षेत्र , भारत में सबसे अधिक वर्षा वाला क्षेत्र

अध्याय 5- प्राकृतिक वनस्पति

(भारत के रूपरेखा मानचित्र पर पहचान)

- उष्णकटिबंधीय सदाबहार, उष्णकटिबंधीय पर्णपाती, उष्णकटिबंधीय कटीले वन , पर्वतीय वन और तटीय / दलदली वन। वन्यजीव अभ्यारण्य (पहचानने और नामांकित करने के लिए)
- राष्ट्रीय उद्यान: कॉर्बेट, काजीरंगा, रणथंभौर। शिवपुरी, सिमलीपाल
- पक्षी अभयारण्य: केवलादेव घाना और रंगनाथिटो
- वन्यजीव अभयारण्य: पेरियार, राजाजी, मुदुमलाई, दाचीगाम,

भाग – स	भूगोल भाग में प्रायोगात्मक कार्य- भाग 1
	अध्याय 1- मानचित्रों का परिचय अध्याय 2- मानचित्र मापनी अध्याय 3- अक्षांश देशांतर और समय अध्याय 4- मानचित्र प्रक्षेप अध्याय 5 -स्थलाकृतिक मानचित्र अध्याय 6 –सुदूर संवेदन (रिमोट सैंसिंग) का परिचय **आंतरिक मूल्यांकन/भूगोल प्रायोगिक के लिए दिशानिर्देश** 1. छात्रों द्वारा एक प्रायोगिक फाइल तैयार की जानी चाहिए। जिसमें प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित सभी अध्यायों का समावेश हो। 2. प्रयोगात्मक फाइल कवर पेज,इन्डेक्स पेज, आभार पत्र के साथ पूर्णत: हस्तलिखित होनी चाहिए। 3. सभी प्रयोगात्मक कार्य को उपयुक्त शीर्षक स्केल , ,इंडेक्स आदि के साथ साफ सुथरा बनाना चाहिए । आंकडे एन सी इ आर टी की पाठ्य पुस्तक से लिया जा सकता है। 4. प्रयोगात्मक फाइल का मूल्यांकन आवधिक और वार्षिक प्रयोगात्मक परीक्षा के समय किया जाएगा 5. प्रैक्टिकल परीक्षा 25 अंक की होगी जो निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर आयोजित की जाएगी । 6. मौखिक(वाइवा) परीक्षा केवल निर्धारित प्रायोगिक पाठ्यक्रम के आधार पर ही किया जाएगा। **7.** लिखित परीक्षा - **25** अंक **8.** प्रैक्टिकल फाइल - **02** अंक **9.** मौखिक परीक्षा - **03** अंक

- इकाई अनुसार अंक वितरण देखने के सीबीएसई द्वारा दिया गया सत्र **2024-25** का वार्षिक परीक्षा पाठ्यक्रम देखें
- यदि ग्यारहवी कक्षा के पाठ्यक्रम के बारे में कोई प्रश्न है, तो कृपया सीबीएसई शैक्षणिक वेबसाइट सत्र **2024-25** द्वारा प्रदान किए गए पाठ्यक्रम का सख्ती से पालन करें।
- आप क्यूआर कोड स्कैन कर सकते हैं और सिलेबस पढ़ सकते हैं

पाठ्यक्रम 31 जनवरी, 2025 तक पूरा कर लिया जाए ।

वार्षिक परीक्षा के लिए पुनरावृति और तैयारी सहायक सामग्री और एम आई एस पर अपलोड अभ्यास प्रश्न पत्रों की सहायता से कराना ।

वार्षिक परीक्षा 2025

नोट: – वार्षिक परीक्षा पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित होगी

निर्धारित पुस्तकें:

1. भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत, कक्षा **XI,** एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित

2. भारत, भौतिक पर्यावरण, कक्षा **XI, NCERT** द्वारा प्रकाशित।

भूगोल में व्यावहारिक कार्य, कक्षा **XI, NCERT** द्वारा प्रकाशित

नोट: 1. उपरोक्त पाठ्यपुस्तकें हिंदी माध्यम में भी उपलब्ध हैं।

2. कृपया सभी एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों के नवीनतम संस्करणों को देखें।